इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम

सी.बी.एस.ई-निसबड़-जी.आई.जेड (18-20 जुलाई 2012)

स्वच्छता तथा ज्ञान विकास सेल, होटल ललित, नई दिल्ली में आयोजित

सी.बी.एस.ई के स्कूलों के लिए स्वच्छता एवं ज्ञान विकास सेल पर इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम सयुंक्त रुप से, सी.बी एस.ई, निसबड़ तथा ई.एस.एफ, द्वारा 18 जुलाई से 20 जुलाई 2012 तक होटल ललित, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

30 से अधिक प्रतिनिधियों ने जो कि सी.बी.एस.ई, निसबड़, जी.आई.जेड, ई.एस.एफ, अपदा प्रबन्धक, दिल्ली जल बोर्ड अन्य सगठ़नो तथा स्कूल सम्बन्धित थे आदि इसमें से शामिल हुए।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश एक ऐसी रणनीति और संस्कृति हस्तक्षेप के द्वारा स्वच्छता, स्वास्थ्य तथा स्वच्छता सम्बन्धित गतिविधियों को बढावा देने से था।

इस कार्यक्रम का मुख्य ध्यान प्राथमिक स्तर से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर के बच्चों पर केन्द्रित था। इसमें छात्रों में पर्यावरण व संस्कृति के प्रति जागरुकता पैदा करने का लक्ष्य दिया गया जिसके द्वारा वो स्वच्छता तथा शौचालय में सफाई का महत्व समझ सकें। परिर्वतन और जागरुकता की लहर, स्वच्छता के लिए एक स्थायी वातावरण बनाने के लिए भी आवश्यक है।

श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ने (सीनिसर एडवाइजर जी.आई.जेड,)''परिवर्तन की लहरे'' कार्यक्रम पर ध्यान केन्द्रित किया, जिसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्र को शौक्षिक गुणवत्ता और सस्थागत सुधारों से अवगत कराने पर था, जिसके अन्तगत शैक्षिक पहल मानव ससांधन विकास मंत्रालय के आग्रह पर सी.बी.एस.ई, द्वारा उठाये गये। यह शिक्षा के बदलते हुए पहलुओं के माध्यम से स्कूल के बच्चों के सर्वागीण विकास के लिए प्रोत्साहन देता है। वी.ओ.सी, ने उजागर किया कि ''शिक्षा किताबों से पेर'' इसके द्वारा शैक्षिक और सह शैक्षिक तथा जीवन कौशल को उत्कृष्ढता का माध्यम माना।

श्रीमती रीता सेनागुप्ता (निदेशक बी.एस) ने अभिव्यक्त किया कि:-

(1) निसबड़ की सहायता से साफ्टवेयर के माध्यम से स्वच्छता से सम्बन्धित कौशल प्रशिक्षण के व्यवहार तथा दृष्टिकोण में परिवर्तन लाया जा सकता है।

(2) शिक्षक तथा विधार्थियो के लिए स्वछता पर आधारित पुस्कार, उत्पाद विकास और स्वरोजगार का विकल्प बढ़ा सकते हैं।

(3) बच्चों के लिए स्वच्छता तथा स्वस्थय से सम्बन्धित पाठ्यक्रम में बदलाव लाया जा सकता है।

(4) 'परिवर्तन की लहर' हमारी बेबसाइट और समाचार पत्र के माध्यम से कार्यक्रम का प्रचार किया जा रहा है।